

नहीं है। वह जानना चाहते हैं कि ऐसी कोई शिकायत आई है या नहीं।

**Shri T. T. Krishnamachari:** I have no personal knowledge of it.

**श्री हुकम चन्द कश्यप :** मैं यह चाहता हूँ कि सामान्य तौर पर अभी तक इलाजों के लिये कितनी विदेशी मुद्रा दी है और कितने लोगों को दी है।

**उध्यक्ष महोदय :** सामान्य तौर पर किन लोगों को दी है, ऐसी कोई इन्फार्मेशन है क्या।

**श्री हुकम चन्द कश्यप :** लोगों के लिये नहीं।

**उध्यक्ष महोदय :** आखों के इलाज के लिये सामान्य तौर पर कितना दिया गया है।

**श्री ब० रा० भगत :** इस की तफ़्तील के लिये सूचना चाहिये।

**Dr. Sarojini Mahishi:** I am restricting my question to part (a) of this Question. May I know whether any discrimination is made in allowing foreign exchange between an ordinary citizen going for Haj and a V.I.P. going for Haj? For example, the amount allowed to Sheikh Abdullah in this matter....

**Mr. Speaker:** He did not go for an eye operation. Next Question.

**Shri Kapur Singh:** Sir, before we pass on to the next Question, will you permit us to put on record that in whatever questions have been put here there has been no intention whatsoever of importing any suggestion that we took any exception to the arrangements that were made in connection with the eye operation of our President.

### India's Credit to Foreign Countries.

+

Shri Raghunath Singh:  
Shri P. C. Borooah:  
Shri Madhu Limaye:  
Shri Rameshwar Tantia:  
Shri Tula Ram:  
\*1085. Shri Vishwa Nath Pandey:  
Shri Murli Manohar:  
Shri Ram Harkh Yadav:  
Shri Koya:  
Shri Brij Basi Lal:  
Shri Kanakasabai:

Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether Government have decided to provide some credit to Nepal, Ceylon and Sudan in order to assist them in setting up industrial units;

(b) if so, the amount of credit to each country; and

(c) the particulars of the projects to be financed therewith?

**The Minister of Planning (Shri B. R. Bhagat):** (a) Yes, Sir.

(b) The amount is Rs. 1 crore for Nepal and Rs. 5 crores each for Sudan and Ceylon.

(c) A formal loan agreement was signed with the Royal Nepalese Government, providing a credit of Rs. 1 crore on 29th September, 1964. The discussions with the Government of Ceylon and the Government of Sudan will be taken up shortly to finalise the credit arrangements.

**श्री रघुनाथ सिंह :** मैं जानना चाहता हूँ कि यह जो रुपया दिया गया है क्या वह किसी प्लेन के लिये दिया गया है, और जो रुपया दिया जायेगा, वह काइन्ड में दिया जायेगा या कैश में दिया जायगा।

**श्री ब० रा० भगत :** अभी तक तो कोई रुपया नहीं दिया गया है। लेकिन आगे जो दिया जायेगा उस से महां से कैपिटल इन्वैस्टमेंट्स भेजे जायेंगे।

**श्री रघुनाथ सिंह :** यह रुपया किसी योजना के लिये दिया जायेगा या किसी और काम के लिये दिया जायेगा ।

**श्री ब० रा० भगत :** यह उन देशों में इंडस्ट्रीज की स्थापना के लिये या उद्योगों को प्रोत्साहन देने के कार्यों के लिये दिया जायेगा । जो स्कीम आयेगी उस के मुताबिक होगा ।

**Shri P. C. Borooah:** May I know whether it is a fact that under the concentrated scheme Indian collaborators will be allowed to participate in the capital structure of industrial units in these countries and also in the supply of capital goods, technical knowhow, etc. and, if so, what are the basic terms which have been laid down by the Government.

**Shri B. R. Bhagat:** As I said, the agreement has been signed with Nepalese Government. But no formal proposal, or scheme, has come. All this will be borne in mind when an individual scheme comes. If the Nepalese nationals want that in addition to this, they want some equity participation, it will depend in what form the proposals come.

**श्री विश्वनाथ पाण्डेय :** जो धन नैपाल, सूडान और लंका को देने का सरकार विचार कर रही है उद्योगों की स्थापना के लिये, उस के सम्बन्ध में उन सरकारों ने भारत सरकार से प्रार्थना की थी या कि भारत सरकार अपने से दे रही है । दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूँ कि इस के पहले क्या इन देशों को औद्योगीकरण करने के लिये सरकार ने कुछ और सहायता दी है । .

**श्री ब० रा० भगत :** यह तो आपस की बात चीत के हिसाब से चलता है, और जैसा माननीय सदस्य को मालूम होगा अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग में देश एक दूसरे की मदद करते हैं । भारत दूसरों की मदद करता है और दूसरों से मदद लेता है । खबर हम ऐसी स्थिति में हैं कि पास पड़ोस

के देश को मदद दे सकें तो हमारी सदा यह इच्छा रहती है कि हम उन्हें मदद करें । इसी विश्वास के साथ यह स्कीम चलती है ।

**श्री राम हरल्ल यादव :** मैं जानना चाहता हूँ कि जो कर्जा दिया जा रहा है, कोसी प्रोजेक्ट और गंडक प्रोजेक्ट उस के अलावा हैं या उसी में शामिल हैं ।

**श्री ब० रा० भगत :** कोसी और गंडक का सवाल अलग है । यह वहां उद्योगों की स्थापना के लिये है ।

**श्री भागवत झा : आजाब :** मैं जानना चाहता हूँ कि शर्तों में क्या यह भी शर्त है कि उन का स बन्ध योजना विशेष से होगा और उन के लिये भारतीय तकनीकी पर्सनल भी जायेगे या यह कर्ज मुक्त है और वे जिस प्रकार से और जहां चाहें खर्च कर सकते हैं । या उस कर्ज से जो सामान भारत में प्राप्त है वह उन को भेजा जायेगा ।

**श्री ब० रा० भगत :** यह कर्ज उन चीजों को खरीदने के लिये है जो यहां से सामान भेजा जायेगा, खास कर कैपिटल इक्विपमेंट । अगर उस को लगाने के लिये वह सहायता मांगेंगे तो वह भी दी जायेगी ।

**श्री सरजू पाण्डेय :** अभी मंत्री जी ने बतलाया कि जो देश पास पड़ोस के हिन्दुस्तान से पिछड़े हुए हैं . . . .

**श्री ब० रा० भगत :** मैं ने पिछड़े हुए नहीं कहा ।

**श्री सरजू पाण्डेय :** मैं जानना चाहता हूँ कि जब अपना देश इतना पिछड़ा हुआ है तो अपनी तरक्की न कर के पास पड़ोस के देशों की तरक्की करने की चिन्ता हमें ज्यादा क्यों रहती है ।

**श्री रामेश्वरानन्द :** मैं जानना चाहता हूँ कि नैपाल और दूसरे पड़ोसी देशों को जब भारत ऋण दे रहा है तो उन देशों के

पहले हम से कितना ऋण लिया है और भारत वर्ष के ऊपर कितना विदेशी ऋण है ?

श्री ब० रा० भगत : इस की मुझे सूचना मिले तो मैं बतला सकता हूँ ।

**Shri P. Venkatasubbalah:** It is very creditable on the part of Government to have come to the aid of our neighbouring countries, as a gesture of good-will. May I know whether the same aid will be extended to the other African countries which may enter into a contract with us for purchase of our machinery etc.?

**The Minister of Works and Housing (Shri Mehr Chand Khanna):** Including Pakistan.

**Shri B. R. Bhagat:** In addition to this, we have some arrangement with Uganda, Kenya, Ghana and Nigeria etc.

श्री शिवाजी राव शं० बेशमूल : क्या मैं जान सकता हूँ कि विदेश विकास के लिये तृतीय पंचवर्षीय योजना में कोई धनराशि संरक्षित रखी गई थी या नहीं । अगर नहीं तो यह व्यय किस धन में से होता है ।

श्री ब० रा० भगत : यह तो मुझे ज्ञात नहीं है कि तीसरी पंचवर्षीय योजना में कितनी राशि रखी गई थी ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं जानना चाहता हूँ कि हम विदेशों को जो ऋण देते हैं उस के लिये हम ने क्या कोई शर्तें रखी हैं। उस पर कोई इंटरैस्ट मिलता है या नहीं और अगर मिलता है तो कितना ?

श्री ब० रा० भगत : नेपाल से जो तय हुआ है वह पन्द्रह साल के लिये 3 प्रतिशत इंटरैस्ट है । बाकी दूसरे देशों से, जैसा मैं ने कहा, अभी एग््रीमेंट हुआ नहीं है । इस लिये उन के बारे में बतलाना मुश्किल है ।

श्री ब्रह्मपाल सिंह : इसी आदरणीय सदन में माननीय वित्त मंत्री जी ने बतलाया था पिछले वर्ष कि पाकिस्तान की तरफ

हमारा 9 अरब ६० कर्ज है । मैं जानना चाहता हूँ कि उस 9 अरब ६० में से कितना रुपया बाकी है और कितना वसूल हो चुका है ।

अध्यक्ष महोदय : वह अलग सवाल है ।

श्री यशपाल सिंह : इस में लिखा हुआ है । इस की हैडिंग में फारेन लिखा हुआ है । विदेशी ऋण ।

अध्यक्ष महोदय : वह ऋण दिया नहीं । अगर कोई जबर्दस्ती ले कर बैठ जाये तो क्या किया जाये ।

श्री यशपाल सिंह : वापस लिया है या नहीं ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या हम ने उन से जबर्दस्ती वसूल किया है ।

**Shri Heda:** May I know the procedure adopted when an Indian industrialist exports machinery from India to those countries for setting up industries there? May I know whether the price of that machinery is reimbursed to him out of this loan or whether that amount is kept in credit in his name and he is paid that amount only when the money comes back or is returned from those countries?

**Shri B. R. Bhagat:** This is not a supplier's credit; this is a government to government credit. So all those questions do not arise.

**Shri Nath Pal:** The aid-receiving countries, though needing aid, are often very sensitive and also suspicious, as we know from our own experience, and often aid is mistaken as a form of extension of influence, as has been shown by the way Burma and Indonesia rejected U.S. aid. May we know whether the conditions under which aid is being given are such as to ensure that these receiving countries feel that we are interested in their development, not in extending Indian influence or helping a few

Indian capitalists? Are these precautions being taken by the Finance Minister?

**The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari):** That objective is always kept in view.

### Demolition of Jhuggis

**\*1086. Shri Maurya:** Will the Minister of Works and Housing be pleased to state:

(a) whether two thousand jhuggis and jhoparies have been demolished since 1st April, 1965 in localities of Sarai Rohilla, Bhooli Bhatiyari and Wazirpura in Delhi;

(b) whether it is a fact that some jhuggis and jhoparies were burnt by the demolishing squad and on resistance ladies and children were lathu charged;

(c) whether the Prime Minister had given an assurance to the Republican leaders that the hut dwellers upto 31st December, 1962 will be provided alternate suitable site before demolition: and

(d) whether it is a fact that jhuggis and Jhoparies referred to in part (a) above were in existence before December, 1962?

**The Minister of Works and Housing (Shri Mehr Chand Khanna):** (a) No. The number of huts demolished was about 680.

(b) No.

(c) No. Under the Jhuggis and Jhoparies Removal Scheme, only those squatters are eligible for allotment of alternative accommodation who started squatting on Government and public lands prior to the 31st July, 1960. However, since eligible and ineligible squatters are inter-mixed in most of the localities Government is providing camping sites of 25 sq. yards even to ineligible squatters. These squatters are, however, not entitled to get plots of 80 sq. yards or built tenements.

(d) The jhuggis and jhoparis in Serai Hohilla and Bhooli Bhatiyari had 496(Ai) LSD—2.

been constructed recently. Those in Wazirpur, were in existence before December 1962, but none of their occupants had census slips in proof of their occupation of the site prior to July, 1960.

**श्री मौर्य :** श्रीमान्, ये झुग्गी झौपड़ी निराकरण योजना के नोटिस जो झुग्गी झौपड़ियों में रहते हैं उन को दे दिए जाते हैं, और तुरन्त ही झुग्गी झौपड़ियों को तोड़ा जाता है, जैसा कि वजीराबाद में हुआ जहां सन् 1946 से लोग रह रहे थे। इन को तोड़ा ही नहीं जाता, बल्कि कहीं कहीं प्राण लगाने के भी सबूत मिले हैं, और बच्चों और औरतों को मारा पीटा जाता है। यह नोटिस मेरे हाथ में है। मैं इस को पढ़ कर नहीं सुनाना चाहता कि इस में क्या शर्तें दी गयी हैं। पर उन को खाना बंदोश बना कर ट्राजिट कैम्प में रखा जाता है, वहां पर . . .

**अध्यक्ष महोदय :** आप का सवाल क्या है ?

**श्री मौर्य :** मैं यह कहना चाहता हूं कि जो झुग्गी झौपड़ियां तोड़ी जाती हैं उन के लिए क्या मंत्री महोदय यह व्यवस्था करेंगे कि एक विशेष समय दिया जाए, और उस के बाद में उन को ट्राजिट कैम्प में न रखा जाए बल्कि परमानेंटली उन को 80 गज का प्लॉट अलॉट कर दिया जाए। प्रधान मंत्री जी ने हम से ऐसा वायदा किया था।

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** जहाँ तक प्रधान मंत्री के वायदे की बात है, वह सूचना गलत है। जहाँ तक झुग्गियों का सवाल है, मैं यह कह सकता हूँ कि इस झुग्गी झौपड़ी स्कीम को हम हमदर्दी से चला रहे हैं। इन लोगों का . .

**श्री मौर्य :** गलत बयानी मत करिये।

**श्री मेहर चन्द खन्ना :** मैं दिल्ली का रहने वाला ज्यादा जानता हूँ या माननीय सदस्य जो धसीगढ़ के रहने वाले हैं ज्यादा जानते हैं।